खाद्य प्रसंस्करण विषयक कार्यशालामें द्वीप प्रज्वलित करते मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल, जिलाधिकारी एवं अन्य विशिष्ठजन।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रमें भयमुक्त होकर निवेश करें उद्यमी-प्रह्लाद पटेल

इंडियन इंडस्ट्रीज असोसियेशन, एसोचैम एवं इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स की ओर आयोजित कार्यशालाका केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रीने किया शुभारम्भ

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उद्योगपतियों से भयमुक्त होकर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह स्वर्णिम अवसर है उद्योगपतियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। श्री पटेल शनिवार को इंडियन इंडस्ट्रीज असोसियेशन, एसोचैम एवं इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स, वाराणसी द्वारा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल का फोकस मोटे अनाज के क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने पर था। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा उद्योगपतियों को निवेश के लिए शुरू की गई अनेक योजनाओं को गिनाते हुए श्री पटेल ने कहा कि यदि कच्चा माल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, आपूर्ति श्रृंखला मजबूत है तो मेरा मानना है कि इससे उद्योग को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम गुणवत्ता के बजाय मात्रा बढ़ाने की तरफ बढ़ गये हैं। हमें उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर विचार बनाने की जरूरत है। हमें अपने मानदंड तय करने होंगे। जिन लोगों ने हमें मोटे अनाज से दूर धकेला था आज वही इसकी मांग कर रहे हैं। श्री पटेल ने देश में उपलब्ध जल संसाधनों के तेजी से होते दोहन की तरफ भी उद्योगपतियों का ध्यान आकृष्ट किया। कहा कि हमें खेती का पैटर्न बदलना होगा। प्राकृतिक संसाधनों को बचाना होगा। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि भारतीय उद्योगों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपनी ब्रांडिंग करनी चाहिए। सरकार ब्रांड मार्केटिंग में धन देने को तैयार है। उत्पाद की गुणवत्ता और स्वच्छता की गारंटी के लिए खाद्य प्रयोगशालाएं सुलभ होनी चाहिए, जिसकी रिपोर्ट दो दिन के भीतर मिलनी चाहिए। उद्घाटन सत्र में जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में पूंजी निवेश के लिए कई तरह के अवसर उपलब्ध कराता है। राज्य में उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बेहतर परियोजनाएं खड़ी करने के लिए सहायता उपलब्ध करायी जा रही है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रमें नेतृत्व भूमिका निभाये यूपी उद्यमियोंने उद्योगकी क्षमता बढ़ानेपर की चर्चा

राष्ट्रीय सम्मेलन में एसोचैम की एफएमसीजी परिषद के सह-अध्यक्ष और धर्मपाल सत्यपाल लिमिटेड की मातथ फ्रेशनर इकाई के प्रमुख सीके शर्मा ने कहा कि पोषण के क्षेत्र में इन दिनों तेजी से बदलाव आ रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव को देखते हुए खान-पान में मोटे अनाज की तरफ बदलाव बेहतर कदम है। उत्तर प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका में लाकर राज्य को आर्थिक लिहाज से मजबूत बनाया जा सकता है और यह सभी पक्षों के लिए लाभकारी होगा। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय प्रमुख डा. सीबी सिंह ने उद्योगपतियों के साथ निर्यात संवर्धन के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि एपीडा वित्तीय सहायता के जरिए अनूसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में उद्योगों की मदद करता है। उत्तर प्रदेश में अनाज उत्पादन में २० प्रतिशत भागीदारी के साथ कच्चे माल की व्यापक उपलब्धता है। नांगिया एंडरसेन एलएलपी के प्रबंधक भागीदार सूरज नांगिया ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने किसान उत्पादक संगठनों और उत्पादन शंकुलों के साथ ही किसानों को बाजार के साथ जोड़े जाने पर जोर दिया। वहीं, इंडो-अमेरिकन चैंबर आफ़ कामर्स की वाराणसी चैप्टर के चेयरमैन और रामोवल्र्ड ग्रुप के सीईओ राजेश कुमार तिवारी ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की क्षमता बढ़ाने पर प्रकाश डाला। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के राष्ट्रीय आध्यक्ष आरके चैधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिहाज से प्रचुर मात्रा में संसाधनों की उपलब्धता है और विविध प्रकार का उत्पादन यहां होता है। यही वजह है कि राज्य निर्यात के लिहाज से सबसे आगे है। इस अवसर पर अलोक कुमार बरनवाल, बीएन जॉन, राज के. अग्रवाल, खाकसार आलम, अमित कुमार बरनवाल, जेपी मुंद्रा, सीए विनय कुमार, सीए सुदेशना बासु, राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं बीएचयू एग्रो बिजनेस के कई स्टूडेंट, प्रोफेसर एवं बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित थे।

Scanned with CamScanner